मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 44 | अंक : 85 | गुरुवार, 12 जून 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. | Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

कटरीना कैफ बनीं मालदीव की ग्लोबल टूरिज्म एम्बेसडर

मनपा चुनाव की तैयारियां शुरू

- नगर विकास विभाग ने वार्ड संरचना को अंतिम रूप देने के आदेश दिए
- ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, नवी मुंबई, पनवेल में चार सदस्यीय प्रभाग
- नगर परिषदों के लिए 2 सदस्यीय प्रभाग
- नवंबर में चुनाव संभव

मुंबई. राज्य में स्थानीय निकायों चुनाव का बिगुल बज चुका है. और चुनाव आयोग द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार, शहरी विकास विभाग ने मंगलवार को महानगर पालिकाओं, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों के चुनाव के लिए वार्ड गठन की तैयारी के आदेश जारी किए।

इस आदेश के अनुसार, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, नवी मुंबई, पुणे, पिंपरी-चिंचवड़, वसई-विरार, छत्रपति संभाजीनगर, नागपुर, नाशिक की 9 ए, बी, सी श्रेणी की महानगर पालिकाओं में चार सदस्यीय वार्ड बनाए जाएंगे, जबकि मुंबई मनपा के लिए एक सदस्यीय वार्ड बनाया जाएगा। इसके अलावा उल्हासनगर समेत 19 डी श्रेणी की महानगर पालिकाओं में प्रभाग बनाने के आदेश जिला कलेक्टरों को दिए गए हैं।

राज्य सरकार ने वार्ड गठन के आदेश दिए हैं। इन आदेशों के अनुपालन में नगरीय विकास विभाग ने मनपा आयुक्तों को इन ए, बी, सी श्रेणी की 10 महानगरपालिकाओं के लिए प्रभाग बनाने के आदेश दिए हैं, जबकि डी श्रेणी की 19 नगरपालिकाओं के लिए वार्ड बनाने के आदेश जिला कलेक्टरों को दिए हैं। वार्ड गठन में करीब ढाई महीने का समय लगेगा और इसके लिए गूगल मैप का इस्तेमाल करने को कहा गया है।

फिलहाल राज्य में जिला परिषदों, महानगर पालिकाओं, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में कम से काम 3 साल से प्रशासक का शासन है। अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार राज्य के नगर विकास विभाग ने नगर परिषदों के मुख्य अधिकारियों को वार्ड संरचना का प्रारूप तैयार कर जिला कलेक्टर को भेजने को कहा है। इसके लिए आठ चरण बनाए गए हैं. पहले चरण में वार्ड संरचना का मसौदा जिला कलेक्टर को सौंपा जाना है, जिसके बाद जिला कलेक्टर इसे मंजूरी के लिए चुनाव आयुक्त को भेजते हैं. मंजूरी के बाद वार्ड संरचना का मसौदा प्रकाशित किया जाता है. आपत्तियां और सुझाव मांगे जाते हैं और उस पर निर्णय लिया जाता है. अंतिम रूप देने के बाद इसे मंजूरी के लिए चुनाव आयोग को भेजा जाता है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए कम से कम दो से ढाई महीने का समय लगेगा और नवंबर में दिवाली के दौरान चुनाव संभव हैं। इस बीच, मुंबई और अन्य ए, बी, सी श्रेणी की महानगर पालिकाओं के लिए तीन से चार सदस्यों का एक प्रभाग होगा।

वार्ड गठन के लिए प्रयुक्त गणितीय सूत्र

औसत जनसंख्या निर्धारित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला सूत्र कुल जनसंख्या को कुल सदस्यों की संख्या से विभाजित करके वार्ड में सदस्यों की संख्या से गुणा किया जाता है। प्रभाग की जनसंख्या औसत से 10 प्रतिशत से अधिक या कम हो सकती है; यदि इससे अधिक का अंतर है, जिसमें अपवादात्मक कारण भी शामिल हैं, तो स्पष्टीकरण की आवश्यकता होती है।

क्या उल्हासनगर मनपा चुनाव एक साथ होंगे?

उल्हासनगर महानगरपालिका में इस बार चार सदस्यों का पैनल होगा यह पुष्टि हो चुकी है। लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या प्रभाग रचना बनाने का आदेश जो जिलाधिकारी को दिया गया है उसमें उल्हासनगर का समावेश है या नहीं और क्या उल्हासनगर मनपा चुनाव एक साथ ही होंगे। ऐसा भी सुना जा रहा है कि तीन से चार चरणों में यह चुनाव हो सकते हैं क्योंकि प्रशासन व पुलिस बल एक साथ हर जगह कार्यरत नहीं हो सकते। जो भी हो फिलहाल मनपा चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई है और पूर्व नगरसेवक व भावी काम पर लगना शुरू हो रहे हैं।

उल्हासनगर समेत 'डी' श्रेणी में 19 महानगर पालिकाएं

अमरावती, अहिल्यानगर, अकोला, कोल्हापुर, सोलापुर, सांगली-मिराज-कुपवाड, मीरा-भायंदर, लातूर, चंद्रपुर, परभणी, पनवेल, इचलकरंजी, जालना, मालेगांव, धुले, नांदेड़-वाघाला, जलगांव, भिवंडी - निजामपुर, उल्हासनगर 'डी' श्रेणी में 19 महानगर पालिकाएं हैं।

अंबरनाथ सुजुकी शोरूम में लगी भयानक आग

- करीब सौ वाहन स्वाहा
- 3 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. केबी मुख्य महामार्ग पर आर्डनेंस कंपनी के सामने एमआईडीसी क्षेत्र में सुजुकी सिमरन वाहनों के शोरूम में जबरदस्त आग लगने से शोरूम जलकर तबाह हो गया है. करोड़ों रुपयों के वाहन जलकर खाक हो गए हैं. फायर ब्रिगेड द्वारा मिली जानकारी के अनुसार रात साढ़े तीन बजे के करीब शोरूम में आग लगने की खबर उन्हें प्राप्त हुई थी. अंबरनाथ, उल्हासनगर, बदलापुर की फायर गाड़ियों ने मिलकर आग को काबू में लिया. लगभग सौ नई वाहन जलकर स्वाहा हुई है. अन्य सामान भी जलकर खाक हो गया. आग लगने के कारण का पता नहीं चल सका है. करोड़ों रुपयों के नुकसान का अंदाजा लगाया जा रहा है.

इस बारे में अधिकृत जानकारी प्राप्त नहीं हुई है. अंबरनाथ और उल्हासनगर के बीच केबी रोड पर एमआईडीसी में सुजुकी सिमरन का शानदार शोरूम है, जिसमें ज्यादातर नई दो पहिया वाहें बेचने के लिए रखी गई हैं. शो रूम बंद था. इतनी भयानक आग इतनी रात में कैसे लगी. इसकी जांच पुलिस कर रही है. पूरा शोरूम जलकर तबाह हो गया है. सौ से ज्यादा नई दोपहिया वाहनें जलकर स्वाहा हो गई है. मारुति सुजुकी शो रूम एमआईडीसी में है, जिसके मालिक का नाम नंदा आसवानी बताया गया है. घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है. अंबरनाथ फायर ब्रिगेड को रात 3.30 बजे आग लगने का कॉल मिला है.

मनसे ने अंबरनाथ नपा पर निकाला मोर्चा

अंबरनाथ. सड़कों के अधूरे कार्य को तत्काल पूरा करने, सड़को के गढ्ढों को सही ढंग से भरने आदि मांगो को लेकर मनसे ने बैनर तले नागरिकों ने अंबरनाथ में नगर पालिका के खिलाफ मोर्चा निकाला. मनसे का आरोप है कि शहर में अधूरे कामों और खोदी गई सड़कों से नागरिकों को काफी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है.

मनसे के शहर अध्यक्ष कुणाल भोईर ने बताया कि शहर के पूर्व परिसर स्थित कानसई इलाके में डेढ़ महीने से कंक्रीटिंग के लिए सड़क खोदी गई है और अभी तक कंक्रीटिकरण का काम शुरू नहीं हुआ है. जिससे नागरिकों, बुजुर्गों और बीमारों को काफी परेशानी हो रही है. वहीं वडवली इलाके में जलनिकासी के लिए सड़कें खोदी गई हैं. जिससे यातायात जाम हो रहा है. इन सबके विरोध में मनसे के शहर अध्यक्ष कुणाल भोईर, अपर्णा कुणाल भोईर, संदीप लकड़े, स्वप्निल बागुल के नेतृत्व में नागरिकों ने नगर पालिका पर मोर्चा निकाला.

मनपा स्कूलों में शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण

उल्हासनगर. विद्यार्थियों की मानसिकता को देखते हुए उनकी भावनाओं, तनाव, विचारों और खुद को अभिव्यक्त करने की जरूरत को समझना समय की जरूरत बन गई है। इस जरूरत को समझते हुए उल्हासनगर महानगरपालिका ने अपने स्कूलों में शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उल्हासनगर शहर के मनपा स्कूलों में विद्यार्थियों के भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए उल्हासनगर महानगरपालिका की ओर से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। मनपा भवन में आयोजित इस कार्यशाला में सैकड़ों शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आयुक्त एवं प्रशासक मनीषा आव्हाले के निर्देश पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। उनके मार्गदर्शन में उपायुक्त डॉ. दीपाली चौगले, संयुक्त आयुक्त (प्रशासन) डॉ. सुनील लोंढे, संयुक्त आयुक्त (शिक्षा) मयूरी कदम और वरिष्ठ लिपिक गणेश पवार ने इस पहल का आयोजन और समन्वय किया।

इस प्रशिक्षण की मुख्य मार्गदर्शक के रूप में स्वाति सांब्राणी और शिवानी शर्मा ने शिक्षकों से बातचीत की और उन्हें विभिन्न मनोवैज्ञानिक विकास विषयों पर प्रशिक्षित किया। उन्होंने स्कूलों में विद्यार्थी कैसे सोचते हैं, भावनात्मक चुनौतियों से कैसे निपटते हैं, शिक्षकों को उनके व्यवहार में आने वाले बदलावों को कैसे पहचानना चाहिए और उन्हें कैसे उचित परामर्श देना चाहिए, इन सब विषयों पर प्रभावी जानकारी दी।

शिक्षकों का मानसिक रूप से जागरूक होना समय की मांग

इस कार्यशाला में आयुक्त मनीषा आव्हाले स्वयं उपस्थित थीं और उन्होंने उपस्थित शिक्षकों से बातचीत की। उन्होंने कहा, 'विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनके समग्र विकास में अत्यधिक महत्व है। चूंकि शिक्षक प्रतिदिन विद्यार्थियों के संपर्क में रहते हैं, इसलिए उनकी मानसिक स्थिति में होने वाले बदलावों को सबसे पहले वे ही महसूस करते हैं। इसलिए शिक्षकों का मानसिक रूप से जागरूक होना समय की मांग है।' इस प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षक अपने विद्यार्थियों को अधिक संवेदनशील तरीके से संभाल सकेंगे और उनकी कठिनाइयों, तनाव और आत्मविश्वास की कमी के बारे में उन्हें उचित मार्गदर्शन दे सकेंगे। इससे कक्षाओं में सकारात्मक और सुरक्षित वातावरण बनेगा, ऐसा मार्गदर्शकों ने बताया।

एमडी के साथ एक गिरफ्तार

कल्याण. पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे ने मादक पदार्थ बेचने व उसका सेवन करने वालों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है. उपायुक्त झेंडे के दिशानिर्देश पर तिलकनगर पुलिस स्टेशन की विशेष कार्रवाई टीम ने मादक पदार्थ मेफ़ोड़ोन (एमडी) के साथ एक व्यक्ति को गिरफ़्तार किया है.

बताया गया कि पुलिस कर्मियों ने दोपहर करीब बारह बजे 90 फीट रोड, कचोरे, डोंबिवली पूर्व एक व्यक्ति को संदिग्ध तौर पर देखा. उससे पूछताछ करने पर वह सही जवाब नहीं दे सका, गिरफ्तार अब्दुल रहमान कुर्बान अली शेख उम्र 24 वर्ष, व्यवसाय रिक्शा चालक है, जो कल्याण के रामबाग में रहता है उसके पास से 22 ग्राम मेफेड्रोन (कीमत 44 हजार) जब्त की गई. उसके खिलाफ तिलकनगर पुलिस स्टेशन में नारकोटिक ड्रग्स के तहत मामला दर्ज किया गया है.

वाहनों में तोड़फोड़ व नागरिकों पर हमला

आशेलेपाड़ा में दहशत फैलाने वाले गिरोह के दो सदस्य हिरासत, दोनों नाबालिग

उल्हासनगर. उल्हासनगर के आशेलेपाड़ा में मंगलवार को एक घटना घटी, जिसमें नशे में धुत कुछ युवकों ने धारदार हथियारों से पांच से छह लोगों पर हमला कर दिया और कई वाहनों में तोड़फोड़ की। इस हमले के बाद गुस्साए नागरिक सड़कों पर उतर आए और पुलिस को घेर लिया। नागरिकों ने मांग की कि इस घटना के आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

अंत में विठ्ठलवाड़ी पुलिस ने रात में इस घटना के आरोपियों की तलाश की और उनमें से दो को हिरासत में लिया। पुलिस ने बाकी आरोपियों की भी तलाश शुरू कर दी है। इन सभी आरोपियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विदित हो कि उल्हासनगर 4 स्थित आशेलेपाड़ा इलाके में 7 से 8 लोगों के एक गिरोह ने परिसर में उत्पात मचाया। इस गिरोह ने सड़क पर आने वाले 25 से 30 वाहनों में तोड़फोड़ की। इसके अलावा सड़क पर चल रही महिलाओं, बच्चों और कई पुरुषों पर धारदार हथियारों से हमला किया। इसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने बताया कि भविष्य में इस तरह के आतंकी पैदा न हों या कानून व्यवस्था की समस्या न हो, इसके लिए थाने में और अधिक स्टाफ तैनात किया जाएगा और आशेलेपाड़ा में एक पुलिस चौकी बनाई जाएगी। इस संबंध में पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने बताया कि विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में कैंप क्रमांक 4 क्षेत्र के आशेलेपाड़ा में हुई घटना में कुल चार युवकों ने इस अपराध को अंजाम दिया है।

इस संबंध में कुल दो मामले दर्ज किए गए हैं। हमने इसमें दो युवकों को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए दोनों युवकों से हम पूछताछ कर रहे हैं। उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद उनसे और जानकारी ली जाएगी। इससे पहले उन्होंने तीन लोगों को पीटकर घायल कर दिया था। उन्होंने करीब चार से पांच चार पहिया वाहनों के शीशे तोड़ दिए थे। हम जल्द ही पुलिस चौकी के संबंध में वहां के स्थानीय लोगों की मदद से वहां पुलिस चौकी स्थापित करेंगे।

आरोपियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी- पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे

डीसीपी सचिन गोरे ने बताया कि इस संबंध में वरिष्ठों से चर्चा की गई है। इस घटना में शामिल युवकों के खिलाफ और अधिक प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि स्थानीय नागरिक और वहां के पुलिस स्टेशन एक दूसरे के साथ सहयोग और भागीदारी करेंगे। पुलिस उस क्षेत्र में अधिक गश्त करेगी और अपराधियों पर कड़ी नजर रखेगी। अब उस जगह पर कोई समस्या नहीं होगी, ऐसा डीसीपी सचिन गोरे ने कहा।

उल्हासनगर में बुजुर्ग से 85 लाख की ठगी

- 250 ग्राम सोना भी लूटा, तीन के खिलाफ केस

उल्हासनगर. बुजुर्ग की मजबूरी का फायदा उठाकर 85 लाख 71 हजार रुपये की ठगी और 250 ग्राम सोना लूटने का मामला सामने आया है। इस मामले में सेंट्रल पुलिस स्टेशन में तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

74 वर्षीय कांता सुरेश लाल जेसवानी उल्हासनगर कैंप नंबर 1 इलाके में रहती हैं। 2 फरवरी 2024 से 1 अप्रैल 2025 के बीच राजेश उर्फ जगदीश जग्याशी, वर्षा जगदीश जग्याशी और जिया नीलेश लुधवानी निवासी कैंप क्रमांक 3 चोपड़ा कोर्ट ने षडयंत्र रचकर कांता जेसवानी ने यूनियन बैंक के खाते से IMPC, NEFT, IMPA के माध्यम से हस्ताक्षरित 85 लाख 70 हजार 999 रुपए का चेक बैंक जाकर भुना लिया और वृद्धा को चूना लगा दिया.

वहीं जगदीश जग्याशी ने अपने बेटे की मदद से 250 ग्राम सोना भी चुरा लिया। जब वृद्धा ने उससे पैसे और सोना मांगा तो उसने वृद्धा को मारपीट कर भगा दिया। वृद्धा कांता जेसवानी सेंट्रल थाने पहुंची और पुलिस को घटना बताई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कांता जेसवानी की शिकायत पर तीनों के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है। नागरिकों की मांग है कि पुलिस वृद्धा को न्याय दिलाए।

21वीं मंजिल से गिरकर क्रेन चालक की मौत

कल्याण. डोंबिवली से आठ किलोमीटर दूर कटाई-बदलापुर रोड क्षेत्र में खोनी गांव की सीमा में म्हाडा द्वारा निर्माणाधीन एक इमारत की 21वीं मंजिल से गिरकर एक क्रेन चालक की मौके पर ही मौत हो गई। क्रेन ऑपरेटर के क्रेन रूम में बिजली का सर्किट शॉर्ट-सर्किट हो गया। इस दौरान तेज आवाज होने से क्रेन ऑपरेटर डरकर जमीन पर गिर पड़ा।

मृतक क्रेन ऑपरेटर की पहचान राकेश गंभीर गुप्ता (30) के रूप में हुई है। निर्माण स्थल पर काम कर रहे कारीगर गणेश राजेंद्र कवटेकर ने घटना की जानकारी मानपाड़ा पुलिस थाने को दी। इस सूचना के आधार पर मानपाड़ा पुलिस ने थाने में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है।

मृतक राकेश गुप्ता मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के दुधी बासगांव सिकटिया का निवासी था। वह खोनी में निर्माण स्थल पर मजदूरों की झोपड़ियों में रहता था। पुलिस थाने में दर्ज शिकायतकर्ता गणेश कवटेकर के अनुसार, कटाई बदलापुर रोड पर खोनी गांव की सीमा में एक प्रसिद्ध कंस्ट्रक्शन कंपनी म्हाडा की बिल्डिंग का निर्माण कर रही है।

क्रेन ऑपरेटर राकेश गुप्ता एक निर्माणाधीन बिल्डिंग के विस्तार कार्य पर क्रेन की मदद से 21वीं मंजिल पर काम कर रहा था। जब वह क्रेन को नियंत्रित करने का काम कर रहा था, तभी क्रेन के ऑपरेटर के कमरे में बिजली के सर्किट में शॉर्ट सर्किट हो गया। इस शॉर्ट सर्किट की तेज आवाज क्रेन रूम में सुनाई दी। इस तेज आवाज से घबराकर क्रेन चालक राकेश गुप्ता 21वीं मंजिल से नीचे गिर गया। उसके सिर में गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। उसके पूरे शरीर पर चोटें आई हैं। इस मामले में पुलिस थाने में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है।

अंबरनाथ नगर परिषद का अजब कारोबार

- सोसायटी का अंतर्गत रास्ता नपा अपने खर्च से बनाकर दे रही
- विकास सोमेश्वर ने तुरंत काम रोकने का निवेदन नपा को दिया

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद द्वारा वन विभाग की भूमि पर सीमेंट सड़क निर्माण करने का मामला उजागर होने के बाद अब शहर पश्चिम की एक निजी सोसायटी में लाखों रुपए खर्च करके सीमेंट कंक्रीट की सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया है. इस मुद्दे को शिवसेना के विकास सोमेश्वर ने जोर-शोर से उठाते हुए मुख्याधिकारी को निवेदन दिया है कि सोसायटी के प्राइवेट परिसर में हदबंदी के अंदर नपा प्रशासन ने सड़क निर्माण कार्य शुरू किया है, उसे मुख्याधिकारी ने तुरंत रोके नहीं तो आंदोलन छेड़ दिया जाएगा.

विकास ने निवेदन में लिखा है कि शहर पश्चिम में सिंग पैराडाइज प्राइवेट सोसायटी में नपा ने सीसी सड़क निर्माण के लिए रास्ता खोद कर रख दिया है. यहां किए जा रहे सड़क निर्माण कार्य को तुरंत रोका जाए. इस सड़क निर्माण के लिए पैसा अंबरनाथ नगर परिषद निवासियों द्वारा गृहकर से वसूल किया गया है. नपा प्रशासन किसी निजी सोसायटी के लिए ये रकम कैसे इस्तेमाल कर सकती है. विकास ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार एवं इंजीनियर अपने फायदे के लिए रास्ता बना रहे हैं. शहर में अनेक परिसर के रास्ते खराब हो गए हैं. बरसात में गड्ढे पड़ गए हैं. जनता परेशान है. इन रास्तों का निर्माण करने के बजाय सोसायटी के प्राइवेट रास्ते पर नगर परिषद निधि क्यों खर्च कर रही है? ऐसा प्रश्न उन्होंने मुख्याधिकारी से किया है. अगर इस कार्य को तुरंत नहीं रोका गया तो उन्होंने आंदोलन की धमकी दी है.

कल्याण-ठाणे समानांतर सड़क आज भी अधर में

- डोंबिवली-मुंब्रा रेलवे समानांतर सड़क की तत्काल आवश्यकता
- 2005 में शुरू हुआ था काम
- 2007 में डीपीआर तैयार करने 93 करोड़ का फंड मंजूर
- पर्यावरण विभाग से अनुमति न मिलने के कारण लटकी योजना

कल्याण. ठाणे से आगे डोंबिवली और कल्याण क्षेत्रों में बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या को देखते हुए, सड़क चौड़ी करने के बाद भी कल्याण-शील मार्ग अपर्याप्त साबित हो रहा है। कल्याण-शील मार्ग पर यातायात का दबाव बढ़ रहा है और हर दिन ट्रैफिक जाम हो रहा है। इस सड़क के दूसरे विकल्प के रूप में डोंबिवली-मुंब्रा रेलवे समानांतर सड़क की तत्काल आवश्यकता है। जिसकी मांग एक बार फिर जोरों से उठ रही है.

गौरतलब हो कि अक्सर तकनीकी कारणों से रेल सेवा बंद कर दी जाती है। ऐसे समय में ठाणे से आगे के यात्रियों को परेशानी होती है। इसीलिए 1999 में ही इस सड़क की मांग सामने आई थी। 2005 की बाढ़ के दौरान ठाणे से आगे का इलाका कई दिनों तक मुंबई से कटा रहा। उसके बाद 2005 में रेलवे के समानांतर सड़क का काम भी शुरू किया गया। 2007 में एमएमआरडीए ने सड़क का डीपीआर तैयार करने के लिए 93 करोड़ रुपये का फंड भी मंजूर किया था, लेकिन पर्यावरण विभाग से अनुमति न मिलने के कारण इस सड़क का भविष्य अधर में लटक गया था।

अगर यह सड़क बन जाती है तो डोंबिवली से मुंब्रा की दूरी वाहन से महज कुछ मिनटों में तय की जा सकेगी। इस सड़क के जरिए मुंबई या ठाणे से डोंबिवली, कल्याण के लिए सीधी बस सेवा शुरू की जा सकती है। इससे रेलवे पर दबाव कम करने में मदद मिल सकती है। उसके बाद कई नई सड़कें बनीं, लेकिन रेलवे लाइन के समानांतर यह सड़क न सिर्फ उपेक्षित रही, बल्कि पिछले 24 सालों से कागजों पर ही रह गई है। इस सड़क को बनाने की तत्काल जरूरत है।

कलवा-ऐरोली एलिवेटेड रेल लाइन 10 साल से विलंबित

मध्य रेलवे पर कलवा-ऐरोली एलिवेटेड रेल लाइन की आधारशिला रखे हुए 10 साल हो चुके हैं। यह परियोजना तीन से चार साल में पूरी होने की उम्मीद थी। वर्तमान में, कर्जत, कसारा से कल्याण डोंबिवली तक के रेल यात्रियों को नवी मुंबई जाने के लिए ठाणे में उतरना पड़ता है और लोकल ट्रेन बदलनी पड़ती है। इसके कारण ठाणे रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का भार बढ़ रहा है। एक बार यह लाइन पूरी हो जाने पर, कर्जत, कसारा, कल्याण, डोंबिवली के यात्री कलवा मार्ग से सीधे नवी मुंबई जा सकेंगे, लेकिन इस महत्वपूर्ण लाइन का काम 10 साल से विलंबित है क्योंकि इस महत्वपूर्ण लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

दिल्ली में आग से मौतें

दिल्ली अनियोजित विकास की एक ऐसी तस्वीर है, जहां हमें एक तरफ झुग्गियां दिखाई देती हैं, तो दूसरी ओर गगनचुंबी इमारतें। नतीजा यह कि यहां सघन बस्तियों से लेकर औद्योगिक क्षेत्रों में आग लगने से बड़े नुकसान का जोखिम हमेशा बना रहता है। भीषण गर्मी के दिनों में आग लगने की घटनाएं प्रायः सामने आती हैं। यहां आधुनिक कही जानी वाली कई मंजिलों वाली रिहायशी इमारतें बनाने की इजाजत तो दी गई, लेकिन वहां अग्नि सुरक्षा इंतजामों में जिस तरह की लापरवाही बरती गई, उसका खमियाजा अब उनमें रहने वाले नागरिकों को भुगतना पड़ता है।

इन इमारतों में आग बुझाने के उपकरण जरूर लगाए गए, पर इसकी जांच-परख महीनों तक नहीं होती। द्वारका में मंगलवार को जिस बहुमंजिला इमारत में आग लगी, वहां अग्नि शमन के पुख्ता उपाय किए गए होते, तो एक पिता और उसकी बेटी तथा भतीजे की मौत न होती। दरअसल, आग की इस घटना के वक्त लपटों से बचने के लिए इन तीनों को जब कोई विकल्प नहीं सूझा तो वे बालकनी से नीचे कूद गए और उनकी जान चली गई।

इस घटना के लिए कौन जिम्मेदार है? यह निराशाजनक है कि इमारतों में अग्निशमन के सामान्य उपकरणों को ही पर्याप्त मान कर अधिकारी अनापत्ति प्रमाणपत्र दे देते हैं। द्वारका की जिस इमारत में आग लगी, उसकी नीचे की मंजिलों पर लोग खिड़कियां तोड़ते और बालकनी से बचाने की गुहार लगाते देखे गए। इससे साबित होता है कि इमारत की सभी मंजिलों पर आग से बचाव के लिए कारगर उपाय नहीं किए गए थे।

यह जानते हुए भी कि न केवल रिहायशी, बल्कि औद्योगिक इलाकों में हर वर्ष आग लगने की घटनाएं होती हैं, तो रोकथाम के उपाय पहले ही क्यों नहीं किए जाते? समय-समय पर जांच क्यों नहीं होती कि उपकरण काम कर भी रहे हैं या नहीं? बार-बार ऐसे हादसे न हों, इसके लिए अब जवाबदेही तय करने की जरूरत है।

मोदी सरकार ने लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाया

नया भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश की प्रगति अब सिर्फ जीडीपी जैसे आंकड़ों से तय नहीं होती, बल्कि आम लोगों को सम्मान से जीने और आगे बढ़ने के मिले अवसरों से भी होती है। इसके उदाहरण दूर-दराज के गांवों, कस्बों और शहरों में आम हैं। यह बदलाव उस नेतृत्व की बदौलत संभव हुआ, जो हर नागरिक को सशक्त बनाने में विश्वास रखता है। शुरू से ही अंत्योदय यानी पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति का उत्थान हमारी प्रेरणा रहा है। पिछले 11 वर्षों में हमारी हर नीति, हर निवेश और नवाचार इसी सोच पर आधारित रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह सोच चार स्तंभों पर आधारित है। पहला, ऐसा इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाना, जो देश को जोड़े। दूसरा, ऐसा विकास, जो सबको साथ लेकर चले। तीसरा, मैन्यूफैक्चरिंग जो लोगों को रोजगार दे। चौथा, सरकारी कामकाज को इतना आसान बनाना कि आम आदमी को ताकत मिले। पिछले 11 वर्षों में पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) तेजी से बढ़ा है और 2025-26 में यह 11.2 लाख करोड़ तक पहुंच गया। यह बढ़ता हुआ निवेश सबसे अधिक बुनियादी ढांचे-फिजिकल, डिजिटल और सामाजिक में दिखता है। इसी दौरान करीब 59,000 किमी नए राजमार्ग बने और 37,500 किमी रेलवे ट्रैक बिछाए गए। हाल में चिनाब और अंजी पुल का उद्घाटन हुआ, जो आधुनिक भारत की इंजीनियरिंग क्षमता का प्रतीक हैं। जब वंदेभारत ट्रेन इन पुलों से होकर श्रीनगर पहुंची, तो एक यात्री ने कहा, 'यह किसी सपने के सच होने जैसा है।' उसकी आंखों में आंसू थे। कनेक्टिविटी अब सिर्फ सड़कों और

रेल तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह डिजिटल क्षेत्र में भी फैल चुकी है। भारत का डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर दुनिया में मिसाल बन चुका है। यूपीआइ, आधार और डिजीलाकर जैसे प्लेटफार्म आम लोगों की जिंदगी को सरल बना रहे हैं। इनकी सफलता और व्यापक उपयोगिता देखते हुए कई देश इनका अध्ययन कर रहे हैं।

हमारा उद्देश्य है टेक्नोलाजी को हर आम आदमी तक पहुंचाना। यह सोच अब इंडिया एआइ मिशन को भी दिशा दे रही है। अब 34,000 से अधिक हाई स्पीड कंप्यूटर चिप्स-जीपीयू सभी के लिए उपलब्ध हैं और बाकी देशों की तुलना में सिर्फ एक-तिहाई लागत पर। एआइ माडल को ट्रेन करने में इन चिप्स की बड़ी भूमिका होती है। शोध और नवाचार को आसान बनाने के लिए एआइकोष प्लेटफार्म पर 370 से ज्यादा डाटा सेट और 200 से अधिक तैयार एआइ माडल सभी के लिए उपलब्ध हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सेवाओं को सबके लिए आसान बनाने पर भी इतना ही जोर दिया गया है। इन 11 वर्षों में मेडिकल कालेजों की संख्या 387 से बढ़कर 780 हो गई है। एम्स सात से बढ़कर 23 हो चुके हैं। एमबीबीएस और पीजी की सीटें भी दोगुनी से अधिक हो गई हैं। हमारे विकास माडल की सबसे बड़ी ताकत यह है कि इसने करोड़ों लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाया है।

आज देश में 53 करोड़ से ज्यादा जन-धन खाते हैं, जो यूरोप की आबादी से भी ज्यादा हैं। चार करोड़ घर, 12 करोड़ शौचालय बने हैं और 10 करोड़ परिवार लकड़ी की जगह स्वच्छ एलपीजी गैस से खाना बना रहे हैं। 'हर घर जल' योजना के तहत 14 करोड़ घरों तक नल का पानी पहुंच चुका है। आयुष्मान भारत योजना 35 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा देती है। 11 करोड़ किसान अब पीएम-किसान योजना से सीधी आर्थिक मदद पा रहे हैं। उज्ज्वला की 10 करोड़वीं लाभार्थी मीरा मांझी के बैंक खाते में बिना किसी बिचौलिए के 2.5 लाख रुपये सीधे जमा हुए। उनके घर में नल से पानी आता है, हर महीने मुफ्त राशन मिलता है और उन्हें धुएं से छुटकारा भी मिला है। इतने बड़े स्तर पर समावेशी विकास का उदाहरण हाल के इतिहास में और कहीं नहीं मिलता। सरकार ने 2015 में 'मेक इन इंडिया' की शुरुआत की, जिससे उद्योग बढ़े और लोगों को रोजगार मिले। आज भारत में इलेक्ट्रानिक्स उत्पाद का उत्पादन 6 गुना बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। इलेक्ट्रानिक्स उत्पाद का निर्यात भी आठ गुना बढ़ा है। यह सबसे बड़े निर्यातित उत्पादों में शामिल है। भारत अब मोबाइल फोन बनाने वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है। हम सिर्फ फोन नहीं, उनके अंदर इस्तेमाल होने वाले चिप और दूसरे इलेक्ट्रानिक पार्ट्स भी बना रहे हैं। भारत का पहला चिप बनाने वाला बड़ा प्लांट (फैब) बन रहा है और 5 ओसैट यूनिट्स पर काम भी शुरू हो गया है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

अध्यात्म इस बात को पहचानना है कि हमारा सच्चा आपा हमारी आत्मा है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

मणिपुर में फिर से भड़की हिंसा

मणिपुर में कुछ दिनों की शांति के बाद फिर से हिंसा भड़क उठी है। जगह-जगह विरोध प्रदर्शन और आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। सड़कों पर सुरक्षा बलों का सख्त पहरा है। कई इलाकों में निषेधाज्ञा लागू है और इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। इससे पहले भी राज्य को कई मर्तबा हिंसा की त्रासदी झेलनी पड़ी है। इस बार हिंसा का प्रत्यक्ष कारण भले ही मैतेई समुदाय के एक नेता समेत पांच लोगों की गिरफ्तारी है, लेकिन इसके तार वर्ष 2023 में हुई जातीय हिंसा से ही जुड़े हुए हैं।

सवाल है कि जातीय आधार पर लोगों के गुस्से का ज्वार आखिर शांत क्यों नहीं हो रहा है? लोगों को भावनात्मक रूप से भड़काने के पीछे कौन है? ऐसी क्या वजह है कि लोग किसी सामान्य घटना को भी समुदाय से जोड़ लेते हैं और सड़कों पर उतर कर उग्र व्यवहार करने लगते हैं?

मणिपुर में वर्ष 2023 से जातीय संघर्ष चल रहा है। तब से हिंसा में कई लोगों की जान जा चुकी है और मैतेई और कुकी दोनों ही समुदायों के हजारों लोगों को विस्थापन का दर्द भी झेलना पड़ा है। हिंसा का सिलसिला जारी रहने की वजह से एन बीरेन सिंह को इस साल फरवरी में मुख्यमंत्री पद गंवाना पड़ा था। उसके बाद से यहां राष्ट्रपति शासन लागू है। तब से राज्य में हिंसा की कोई बड़ी घटना सामने नहीं आई। माना जा रहा था कि अब हालत सामान्य हो रहे हैं। मगर राज्य के सिर पर शांति का यह सेहरा ज्यादा दिन तक नहीं टिक पाया।

दरअसल, सीबीआइ ने गत रविवार को मैतेई संगठन अरंमबाई तेंगोल (एटी) के सदस्य कानन सिंह को गिरफ्तार किया था। इसके अलावा चार अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी हुई। इन सब पर वर्ष 2023 में हुई हिंसा से संबंधित विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने का आरोप है। जांच एजेंसी का कहना है कि आरोपी कानन सिंह मणिपुर पुलिस में हेड कांस्टेबल था, लेकिन उसे मार्च 2025 को हथियारों की तस्करी सहित विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने के कारण बर्खास्त कर दिया गया था।

सीबीआइ की इस कार्रवाई के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गए। इस पूरे घटनाक्रम में गौर करने वाली बात यह है कि अगर किसी व्यक्ति पर हिंसक एवं आपराधिक घटनाओं में संलिप्त होने के आरोप में कार्रवाई होती है, तो इसे समुदाय विशेष से जोड़ कर क्यों देखा जा रहा है। जांच के जरिए इस बात का पता लगाने की जरूरत है कि कहीं कोई लोगों की भावनाओं को भड़का कर अपने निजी स्वार्थ हासिल करने की कोशिश तो नहीं कर रहा है? साथ ही प्रशासनिक अमले और जनप्रतिनिधियों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे जन आक्रोश को शांत करने के लिए संबंधित लोगों के साथ तत्काल संवाद कायम करें।

प्रदर्शनकारियों को भी यह बात समझनी होगी कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। अगर उनके नेता पर लगे आरोपों को लेकर किसी तरह का संदेह है, तो न्यायपालिका पर विश्वास रखना चाहिए। सड़कों पर उत्पात मचाने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से कुछ हासिल नहीं होगा।

बच्चे ने बनाया ऐसा ऐप, 7 सेकंड में पकड़ लेगा दिल की बीमारी!

जरा हट के

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार टेक्सास के फ्रिस्को शहर के 14 वर्षीय सिद्धार्थ नंद्याला ने एक ऐसा स्मार्टफोन ऐप बनाया है जो सिर्फ 7 सेकंड में दिल की बीमारी के शुरुआती लक्षण पहचान सकता है. यह ऐप, जिसका नाम Circadian AI है, स्मार्टफोन को छाती के पास रखकर दिल की धड़कनों की रिकॉर्डिंग करता है, बैकग्राउंड शोर को हटाता है और क्लाउड-बेस्ड मशीन लर्निंग मॉडल से डेटा का विश्लेषण करता है. यह ऐप एरिदमिया (अनियमित दिल की धड़कन), हार्ट फेलियर, कोरोनरी आर्टरी डिज़ीज़ और वॉल्व समस्याएं पहचानने में सक्षम है.

सिद्धार्थ का उद्देश्य है AI की मदद से स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाना. उन्होंने अमेरिका और भारत के अस्पतालों से डेटा जुटाया और मेडिकल प्रोफेशनल्स के साथ मिलकर ऐप को बेहतर बनाया. क्लिनिकल ट्रायल्स में 15,000

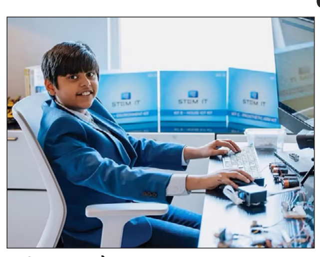

अमेरिकी और 3,500 भारतीय मरीजों पर टेस्ट किए गए, जिसमें ऐप की सटीकता 96% से अधिक रही. हालांकि, अभी यह ऐप केवल प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों द्वारा उपयोग के लिए है और EKG जैसी पारंपरिक जांच विधियों का विकल्प नहीं है, बल्कि प्री-स्क्रीनिंग टूल के रूप में काम करता है. कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टरों ने सिद्धार्थ के इनोवेशन की सराहना की है, खासतौर पर उन क्षेत्रों के लिए जहां हेल्थकेयर की सुविधाएं सीमित हैं.

विश्व स्तर पर हृदय रोग (दिल का दौरा और स्ट्रोक सहित) लगभग 32% मौतों का कारण है. लुइज़ियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के डॉ. जमीला अहमद के अनुसार, "ऐसे मरीजों में जल्दी संभावित निदान, जो मेडिकल केयर तक नहीं पहुंच पाते, उनकी जान बचा सकता है." यह सिद्धार्थ की पहली उपलब्धि नहीं है. इससे पहले वे लो-कॉस्ट प्रोस्थेटिक आर्म बना चुके हैं और STEM IT नामक स्टार्टअप की स्थापना कर चुके हैं, जो छात्रों के लिए साइंस-टेक्नोलॉजी किट बनाता है. उनके योगदान के लिए उन्हें अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से Certificate of Recognition और तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन से बधाई-पत्र भी मिल चुका है.

बेसन से बनाएं हलवा

खाना-खजाना

आपने सूजी और आटें का हलवा को कई बार खाया होगा, लेकिन क्या आपने कभी बेसन का हलवा खाया है? बेसन से बना हलवा भी खाने में काफी स्वादिष्ट होता है और इसे बनाना भी काफी आसान होता है। आइए जानें बेसन का हलवा बनाने की रेसिपी।

सामग्री :

- 1 कप बेसन
- 1 कप घी
- 1 कप चीनी
- 2 कप पानी
- 5-6 बादाम (कटे हुए)
- 5-6 काजू (कटे हुए)
- 1/2 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
- केसर के कुछ धागे

विधि :

सबसे पहले एक चम्मच दूध में केसर के कुछ धागे भिगोकर रख दें।

अब एक पैन में 2 कप पानी डालें और उबाल आने दें। अब इसमें चीनी लकर मध्यम आंच पर पकाएं।

इसे तब तक पकाएं, जब तक चाशनी गाढ़ी न हो जाए।

इसके बाद एक कड़ाही या भारी तले की पैन में घी गरम करें और उसमें बेसन डालकर धीमी आंच पर भूनें।

बेसन को लगातार चलाते रहें, नहीं तो यह जल सकता है। जब बेसन का रंग हल्का सुनहरा हो जाए और खुशबू आने लगे, तो समझ जाएं कि बेसन अच्छी तरह भून गया है।

अब भुने हुए बेसन में तैयार चाशनी धीरे-धीरे डालें और लगातार चलाएं, ताकि गांठे न बनें। अब इसमें इलायची पाउडर और केसर वाला दूध डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

इसके बाद कटे हुए बादाम और काजू डालकर अच्छी तरह मिला लें।

हलवे को मध्यम आंच पर तब तक पकाएं जब तक कि यह घी छोड़ने न लगे और पैन से अलग होने लगे।

जब हलवा घी छोड़ने लगे, तो गैस बंद कर दें और ऊपर से ड्राई फ्रूट्स से गार्निश करके सर्व करें।

आपको बेडशीट कितने दिनों में बदल देनी चाहिए?

- **अगर गंदी बेडशीट यूज करेंगे तो क्या होगा**
- **जानकर चौंक जाएंगे**

सेहत को लेकर साफ-सफाई बेहद जरूरी होती है. बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोग खानपान में अक्सर साफ-सफाई की बात करते हैं, लेकिन कई चीजों को अधिकतर लोग नजरअंदाज कर देते हैं. इसमें से एक बेडशीट की सफाई है. कई लोगों के बेड पर एक ही बेडशीट महीनों तक बिछी रहती है. जब आप बिस्तर पर सोते हैं, तो वहां आपकी त्वचा, पसीना, बाल, धूल और बैक्टीरिया जमा होते हैं. अगर बेडशीट को समय पर नहीं बदला जाए, तो यह कई त्वचा रोग, एलर्जी और संक्रमण का कारण बन सकती है. अब सवाल है कि बेडशीट कितने दिनों में बदलनी चाहिए और गंदी बेडशीट इस्तेमाल करने के

क्या नुकसान हो सकते हैं?

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो बेडशीट को हर 7 से 10 दिन के अंदर बदल देना चाहिए. अगर आपको ज्यादा पसीना आता है या आपके घर में धूल ज्यादा रहती है, तो 5 दिनों के अंदर बेडशीट बदल देनी चाहिए. इसके अलावा अगर आपके बेड पर पालतू जानवर भी आ जाते हैं, तो अपनी बेडशीट को हर 3 से 5 दिनों में बदल देना चाहिए. अगर आपकी बेडशीट साफ रहेगी, तो आपको अच्छी नींद भी आएगी और सेहत से जुड़ी समस्याओं का खतरा भी कम हो जाएगा. इसलिए लोगों को बेडशीट हाइजीन का खयाल रखना चाहिए. इसे लेकर लापरवाही सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है.

डॉक्टर्स की मानें तो कुछ कंडीशंस में हर दिन या 2-3 दिन के अंदर बेडशीट जरूर बदल देनी चाहिए. स्किन इंफेक्शन, डेंगू फीवर, वायरल फीवर की कंडीशन में बेडशीट को हर 2 दिन में बदलने की कोशिश करनी चाहिए. इसके अलावा अस्थमा और डस्ट एलर्जी से जूझ रहे लोगों को 2-3 दिन में बेडशीट बदल देनी चाहिए. छोटे बच्चों और बुजुर्गों के बेड की बेडशीट को भी सप्ताह में कम से कम 2 बार जरूर बदलना चाहिए, ताकि उनकी सेहत ठीक बनी रहे.

अब सवाल है कि गंदी बेडशीट यूज करेंगे तो क्या होगा? इस पर एक्सपर्ट्स का कहना है कि बेडशीट पर आपकी त्वचा से निकलने वाला ऑयल, डेड स्किन सेल्स और पसीना जमा होता है. गंदी चादर में ये सब बैक्टीरिया और फंगस का घर बनाते हैं, जिससे एक्ने, रैशेज और खुजली जैसी समस्याएं हो सकती हैं. बेडशीट पर मौजूद धूल और डस्ट माइट्स सांस संबंधी रोगों को बढ़ा सकते हैं. इससे एलर्जी, छींकें, नाक बहना, और अस्थमा के अटैक हो सकते हैं. अगर आपके शरीर में किसी प्रकार की चोट या कट है, तो गंदी चादर से बैक्टीरिया घाव में प्रवेश कर सकते हैं. इससे स्किन इन्फेक्शन या सिस्ट बन सकते हैं.

गंदी और बदबूदार बेडशीट आपकी नींद की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है. साफ बिस्तर में मन को सुकून और शरीर को आराम मिलता है, जिससे गहरी और शांत नींद आती है. साफ बेडशीट पर सोने से त्वचा स्वस्थ रहती है, नींद में सुधार होता है, मानसिक तनाव कम होता है, घरेलू वातावरण स्वच्छ रहता है और बीमारियों से बचाव होता है. अपनी बेडशीट को धोने का सही तरीका भी जरूरी होता है. हमेशा गर्म पानी में चादर धोएं, जिससे बैक्टीरिया और डस्ट माइट्स मर जाते हैं. बेडशीट धोने के बाद धूप में सुखाएं. दरअसल सूरज की किरणें प्राकृतिक कीटाणुनाशक होती हैं. पिलो कवर और कम्बल भी साथ में साफ करें, क्योंकि इनमें भी गंदगी जमा होती है.

आज का राशिफल

मेष : नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। तत्काल लाभ नहीं होगा। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है।

वृषभ : राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बिगड़े काम बनेंगे। जल्दबाजी से हानि संभव है। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा।

मिथुन : किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

कर्क : वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी।

सिंह : आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। तनाव रहेगा।

कन्या : यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। लेन-देन में सावधानी रखें। लाभ होगा।

तुला : व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है। वाणी में कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचें। दूसरों की बातों में नहीं आएं।

वृश्चिक : थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है।

धनु : शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी सहयोग करेंगे। लाभ होगा। जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। विवाद न करें।

मकर : व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

कुंभ : नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। सहकर्मी सहयोग नहीं करेंगे। चिंता रहेगी।

मीन : रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे। भाग्य अनुकूल है, जल्दबाजी न करें। प्रसन्नता रहेगी।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

नर्सरी से पौधे खरीदते वक्त न करें 5 गलतियां

गार्डनिंग का शौक रखने वाले लोग अक्सर नर्सरी से पौधे तो खरीद लाते हैं, लेकिन घर में आते ही पौधे या तो पीले पड़ने लगते हैं या उनकी ग्रोथ बिल्कुल ही रुक जाती है. दरअसल नर्सरी में ढेर सारे पौधों के बीच से परफेक्ट पौधा ढूंढने के चक्कर में हम कुछ ऐसी आम गलतियां कर बैठते हैं जिनकी वजह से बाद में हमें नुकसान उठाना पड़ता है. गार्डनिंग एक्सपर्ट्स की मानें तो अक्सर लोग पौधों को चुनते वक्त कॉमन गलतियां कर बैठते हैं और बाद में पौधे बर्बाद हो जाते हैं. अगर आप चाहते हैं कि आपके पौधे घर पर आकर अच्छी ग्रोथ करें और बाकी पौधों को नुकसान न पहुंचे, तो इन गलतियों से बचना बेहद जरूरी है.

नर्सरी से इस तरह खरीदें पौधा

नई ग्रोथ वाले पौधे खरीदें-

नर्सरी में लोग अक्सर किसी भी पौधे को देखकर खरीद लेते हैं, लेकिन यह नहीं देखते कि उसमें नई ग्रोथ हो रही है या नहीं. ऐसे पौधे खरीदें जिनमें नई पत्तियां या कलियां निकलती दिख रही हों. यह पौधे की सेहत का संकेत होता है.

पत्तियों को ध्यान से जांचें

पौधे की पत्तियों को दोनों तरफ से अच्छे से देखना बहुत जरूरी है. कई बार पत्तियों के नीचे कीड़े या बीमारी छिपी होती है, जो आपके घर

के अन्य पौधों को भी खराब कर सकती है. इसलिए खरीदने से पहले पत्तियों की अच्छे से जांच जरूर करें.

मल्टीपल ग्रोथ वाले पौधों पर ध्यान दें-

ऐसे पौधे जिनमें मल्टीपल ग्रोथ होती है, यानी एक से ज्यादा तने या शाखाएं होती हैं, खरीदना फायदेमंद होता है. इन पौधों को आप घर लाकर अलग-अलग गमलों में लगा सकते हैं, जिससे आपके गार्डन में पौधों की संख्या बढ़ सकती है.

मोलभाव करना न भूलें

नर्सरी में पौधे ज्यादा महंगे नहीं होते, लेकिन अगर आप कोई खास या महंगा पौधा खरीद रहे हैं तो मोलभाव जरूर करें. मोलभाव से आप अच्छे पौधों को किफायती कीमत पर पा सकते हैं.

कटिंग लेना न भूलें-

कुछ पौधे कटिंग से आसानी से उग जाते हैं, जैसे चंपा का पौधा. नर्सरी जाते समय ऐसे पौधों की पहचान करें और उनकी कटिंग लेना न भूलें. यह तरीका सस्ता भी है और आप इसे आसानी से घर पर उगा सकते हैं.

सेहत के लिए किसी खजाने के कम नहीं है भिंडी का पानी

1. पेट को रखे दुरुस्त

भिंडी का पानी पेट के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इसमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को ठीक करता है. अगर किसी को गैस, कब्ज, एसिडिटी या अपच की परेशानी है, तो सुबह खाली पेट भिंडी का पानी पीना राहत दिलाता है. यह पेट को हल्का करता है और खाना भी अच्छे से पचता है.

2. ब्लड शुगर करे कंट्रोल

डायबिटीज के मरीजों के लिए भिंडी का पानी किसी घरेलू दवा से कम नहीं. रिसर्च में भी यह बात सामने आई है कि भिंडी शरीर में ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करती है. इसका पानी पीने से शरीर में इंसुलिन का असर बेहतर होता है जिससे ब्लड शुगर लेवल संतुलित रहता है.

3. दिल के लिए फायदेमंद

भिंडी में घुलनशील फाइबर होता है जो शरीर से खराब कोलेस्ट्रॉल को निकालने में मदद करता है. इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है और दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है. यह हार्ट के लिए एक नेचुरल

प्रोटेक्शन की तरह काम करता है.

4. स्किन को दे नमी और ग्लो

भिंडी का पानी त्वचा के लिए भी बहुत फायदेमंद है. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और हाइड्रेशन स्किन को नम बनाए रखते हैं. यह स्किन की ड्राइनेस कम करता है और चेहरे पर नेचुरल चमक लाता है. जिनकी स्किन रूखी या बेजान रहती है, उनके लिए यह एक नेचुरल उपाय है.

5. बढ़ाए इम्यूनिटी

भिंडी में मौजूद विटामिन-C और जरूरी मिनरल्स शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं. इसका पानी रोज पीने से शरीर बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनता है. खासकर मौसम बदलने के समय जब जुकाम या बुखार जल्दी होता है, तो यह पानी इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

रेलवे लाइन पर बाइक खड़ी कर लगाई आग, रील के लिए जान से खिलवाड़, भेजे गए जेल

सोशल मीडिया प्लेटफार्म के लिए रील बनाने का शौक तीन युवकों को भारी पड़ गया है। तीनों ने रेलवे ट्रैक पर बाइक खड़ी कर उसके टायर में आग लगा दी। इसके बाद बाइक को स्टार्ट कर दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया से पुलिस अधिकारियों तक पहुंचा तो जांच शुरू हो गई। पता चला कि मामला मेरठ-हापुड़ रेलवे ट्रैक पर चन्दसारा रेलवे हाल्ट के पास का है। पुलिस ने वीडियो को दिख रहे तीनों युवकों की पहचान की और धर दबोचा। कई धाराओं में तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

सोलर बैट्री फटने से बुजुर्ग की मौके पर ही मौत, पत्नी की हालत नाजुक

अमेठी. यूपी के अमेठी से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां 62 वर्षीय नवरंग सिंह के घर में लगी सोलर बैट्री में अचानक विस्फोट हो गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के समय पास में मौजूद उनकी 55 वर्षीय पत्नी अनुसुइया सिंह गंभीर रूप से घायल हो गईं। उधर, आनन-फानन में घायल को अस्पताल ले जाया गया। जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। जिले के संग्रामपुर कोतवाली क्षेत्र के मड़ौली गांव में दर्दनाक हादसा हो गया। जहां सोलर बैट्री में विस्फोट होने से नवरंग सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, पास में बैठी उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

लखनऊ के जयपुरिया कॉलेज में लगी आग

लखनऊ. यूपी की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित जयपुरिया मैनेजमेंट कॉलेज में द्वितीय तल पर फैकेल्टी रूम में बुधवार दोपहर एकाएक आग लग गई। देखते-देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। दमकल कर्मी पहुंचे। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने में लगे हैं। अग्निकांड के दौरान किसी के फंसने की सूचना नहीं है। गनीतम यही रही कि कॉलेज में छुट्टियां चल रही हैं। जिस कारण छात्र-छात्राएं नहीं थे। गोमतीनगर जयपुरिया मैनेजमेंट कॉलेज के द्वितीय तल पर फैकेल्टी से धुआं और आग की लपटें निकलती देख दोपहर शिक्षकों और कर्मचारियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने पहले खुद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

अब 24 घंटे पहले बन जाएगा चार्ट

- रेलवे का बड़ा कदम
- राजस्थान में शुरुआत भी हो गई

नई दिल्ली. भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण बदलाव की शुरुआत की है। अब वेटिंग लिस्ट में होने वाले यात्रियों को उनकी टिकट की स्थिति ट्रेन रवाना होने से 24 घंटे पहले ही पता चल जाएगी। अभी तक यह जानकारी केवल 4 घंटे पहले मिलती थी। यह जानकारी रेलवे मंत्रालय ने बुधवार को दी। इस नई व्यवस्था का ट्रायल बीकानेर डिवीजन में 6 जून, 2025 से शुरू हो चुका है। यह कदम यात्रियों की आखिरी समय की अनिश्चितता को कम करने और यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

रेलवे बोर्ड के सूचना और प्रचार निदेशक दिलीप कुमार ने बताया, ₹हमने इस पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत बिकानेर डिवीजन में की है, जहां ट्रेन के रवाना होने से 24 घंटे पहले चार्ट तैयार किया जा रहा है। अभी तक यह चार्ट केवल 4 घंटे पहले बनाया जाता था।₹ उन्होंने कहा कि इस बदलाव का मकसद यात्रियों की उन चिंताओं को दूर करना है, जो वेटिंग टिकट होने के कारण अपनी यात्रा की योजना को लेकर अनिश्चित रहते हैं। रेलवे अधिकारी ने कहा, ₹अगर यात्रियों को पहले ही यह पता चल जाए कि उनका टिकट कन्फर्म हुआ है या नहीं, तो वे यात्रा की बेहतर योजना बना सकते हैं।₹ हालांकि, रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया कि यह नई व्यवस्था तभी नीति का हिस्सा बनेगी जब यात्रियों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी।

नई व्यवस्था के फायदे

- **पहले से निश्चितता :** यात्रियों को ट्रेन के प्रस्थान से 24 घंटे पहले अपनी टिकट की स्थिति (कन्फर्म, आरएसी, या वेटिंग) पता चल जाएगी, जिससे वे अपनी यात्रा की बेहतर योजना बना सकेंगे।
- **आखिरी समय की परेशानी कम :** चार्ट पहले तैयार होने से यात्रियों को अंतिम समय में होने वाली अनिश्चितता और तनाव से राहत मिलेगी।
- **वैकल्पिक व्यवस्था का समय :** अगर टिकट कन्फर्म नहीं होता, तो यात्री समय रहते दूसरी ट्रेन या परिवहन के अन्य साधनों का चयन कर सकेंगे।
- **रेलवे प्रबंधन में सुधार :** चार्ट पहले तैयार होने से रेलवे को सीट आवंटन और रिजर्वेशन प्रक्रिया को और व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारतीय रेलवे के मौजूदा नियमों के अनुसार, वेटिंग लिस्ट टिकट वाले यात्रियों को रिजर्व कोच (स्लीपर या एसी) में यात्रा करने की अनुमति नहीं है। ऐसे यात्री केवल जनरल कोच में यात्रा कर सकते हैं। अगर कोई यात्री वेटिंग टिकट के साथ रिजर्व कोच में यात्रा करता पाया जाता है, तो उसे अगले स्टेशन पर उतार दिया जाएगा और जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

रद्द करने पर लगेगा जुर्माना

रेलवे अधिकारियों ने यह भी बताया कि टिकट कन्फर्म होने के बाद अगर यात्री उसे रद्द करते हैं, तो उन्हें रिफंड में बड़ी कटौती झेलनी पड़ सकती है।

वर्तमान कैंसिलेशन पॉलिसी के अनुसार:

- अगर कोई कन्फर्म टिकट ट्रेन छूटने से 48 घंटे से 12 घंटे पहले रद्द किया जाता है, तो केवल 25 प्रतिशत राशि वापस मिलेगी।
- अगर 12 घंटे से 4 घंटे पहले रद्द किया जाए, तो 50 प्रतिशत राशि ही वापस मिलेगी।
- खाली सीटें तुरंत फिर से बुकिंग में जाएंगी
- रेलवे अधिकारियों ने यह भी बताया कि किसी भी कारण से खाली होने वाली सीटों या बर्थ को करंट बुकिंग सिस्टम के माध्यम से फिर से यात्रियों को उपलब्ध कराया जाएगा।

15 जुलाई से बदल जाएंगे तत्काल टिकट के नियम

अगर आप तत्काल रेल टिकट बुकिंग करने की सोच रहे हैं तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, जुलाई महीने से तत्काल टिकट बुकिंग के नियम बदल जाएंगे। रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक 15 जुलाई से आधार से प्रमाणीकरण के पश्चात ही तत्काल टिकट की बुकिंग होगी। रेलवे के एजेंट आधे घंटे बाद टिकट बुक कर सकेंगे। बता दें कि अब तक तत्काल टिकट की बुकिंग पर एजेंट्स का कब्जा होता था। तत्काल विंडो ओपन होने के साथ ही एजेंट लगभग सभी टिकट बुक कर लेते थे लेकिन नए नियम से आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी।

रेलवे का सर्कुलर

रेलवे मंत्रालय ने 10 जून 2025 को एक सर्कुलर जारी किया। सर्कुलर में कहा गया है- तत्काल टिकट भारतीय रेलवे के कम्प्यूटरीकृत पीआरएस (यात्री आरक्षण प्रणाली) काउंटरों/अधिकृत एजेंटों के माध्यम से बुकिंग के लिए तभी उपलब्ध होंगे, जब सिस्टम द्वारा जनरेट ओटीपी का सत्यापन होगा। यह ओटीपी बुकिंग के समय यूजर्स द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर पर भेजा जाएगा।

तत्काल विंडो कब से ओपन होता है?

तत्काल रेलवे टिकट बुकिंग के लिए विंडो सुबह 10 बजे से ओपन होता है। हालांकि, इस दौरान सिर्फ एसी कोच के टिकटों की बुकिंग होती है। वहीं, तत्काल विंडो पर सुबह 11 बजे से स्लीपर कोच के लिए टिकट की बुकिंग होती है। इस दौरान आम जनता को बेहद मुश्किल से तत्काल टिकट मिल पाता है।

एजेंट का होता है कब्जा

तत्काल बुकिंग के लिए आम लोगों को बिहार और उत्तर प्रदेश के रूट पर सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। वहीं, एजेंट आसानी से तत्काल टिकट बुकिंग कर पाते हैं। इसके बाद ग्राहकों से एजेंट टिकट के बदले मनमाने चार्ज वसूलते हैं। अब रेलवे के नए सर्कुलर के मुताबिक एजेंट्स को सुबह 10 बजे से 10.30 बजे तक एसी कैटेगरी के लिए और सुबह 11 बजे से 11.30 बजे तक स्लीपर कैटेगरी के लिए 'तत्काल' टिकट बुक करने से प्रतिबंधित किया जाएगा। इससे आम लोगों को आसानी से तत्काल टिकट बुक कराने का मौका मिलेगा।

अमेरिका हिंसा- 12 राज्यों के 25 शहरों में प्रदर्शन

- लॉस एंजिलिस में शाम 6 बजे के बाद कर्फ्यू
- ट्रम्प बोले- पूरी ताकत से निपटेंगे

ट्रम्प बोले- जरूरत पड़ने पर सैन्य बल का इस्तेमाल करूंगा

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि अगर लॉस एंजिलिस में हिंसा जारी रही तो वे पूरे शहर में विद्रोह कानून लागू कर सकते हैं। यह कानून सरकार को हिंसा रोकने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल करने की इजाजत देता है।

लॉस एंजिलिस. अमेरिका के लॉस एंजिलिस में 5 दिनों से जारी प्रदर्शन के कारण शाम 6 बजे के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया है। लॉस एंजिलिस की मेयर कैरन बैस ने इमरजेंसी की घोषणा की है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने के फैसले के खिलाफ हो रहा प्रदर्शन अमेरिका के 12 राज्यों के 25 शहरों तक फैल चुका है। सैन फ्रांसिस्को, डलास, ऑस्टिन, टेक्सास और न्यूयॉर्क जैसे शहरों में भी प्रदर्शन हो रहे हैं।

हालात पर काबू पाने के लिए ट्रम्प ने लॉस एंजिलिस में 4 हजार नेशनल गार्ड के अलावा 700 मरीन कमांडो को भी तैनात कर दिया है। उन्होंने कहा कि हालात खराब हो रहे हैं। जरूरत पड़ने पर वे पूरी ताकत से निपटेंगे। वहीं, सोमवार-मंगलवार को लॉस एंजिलिस पुलिस ने करीब 1100 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में होने वाली आर्मी परेड के दौरान प्रदर्शन को लेकर भी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर कोई प्रदर्शन करता है तो उसे सेना का सामना करना पड़ेगा। 14 जून को अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ और ट्रम्प का 79वां जन्मदिन भी है।

इस हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। यह हिंसक प्रदर्शन अवैध अप्रवासियों को बाहर निकालने के फैसले के खिलाफ हो रहे हैं। फिलहाल लॉस एंजिलिस में हिंसा थमती नजर आ रही है।

BSF जवानों को खस्ताहाल ट्रेन मिली

सीटों पर गद्दी नहीं, टॉयलेट टूटा, 5 दिन बाद 4 रेलवे अफसर सस्पेंड

नई दिल्ली. अमरनाथ यात्रा के लिए ड्यूटी पर जा रहे 1200 BSF जवानों ने ट्रेन की खराब हालत देखते हुए चढ़ने से इनकार कर दिया। 5 दिन पुराने इस मामले में रेल मंत्रालय ने 4 रेल अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है।

6 जून को जवानों को त्रिपुरा से अमरनाथ जाना था। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे (NFR) ने जो ट्रेन जवानों को मुहैया कराई उसमें खिड़कियां-दरवाजे टूटे थे।

ट्रेन का VIDEO भी अब सामने आया है। इसमें टॉयलेट टूटा है, लाइट नहीं है। सीटों पर गद्दियां भी गायब हैं। फर्श पर कॉकरोच दिखाई दे रहे हैं। जवानों के इनकार के बाद 10 जून को दूसरी ट्रेन मुहैया कराई गई।

ट्रेन के डिब्बों का महीनों से इस्तेमाल नहीं हुआ था

जवानों को अमरनाथ तीर्थयात्री ड्यूटी के लिए कश्मीर पहुंचना था। जिस ट्रेन से उन्हें जाना था, उसका BSF के कंपनी कमांडर ने निरीक्षण किया। ट्रेन की हालत देखकर वे हैरान रह गए।

ट्रेन के डिब्बों की हालत काफी खराब थी। इसका इस्तेमाल जवानों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए नहीं किया जा सकता। जांच के बाद पता चला कि डिब्बों का महीनों से इस्तेमाल नहीं हुआ।

हर डिब्बे में जगह-जगह टूटे-फूटे सामान पड़े थे। ट्रेन की खिड़कियों व दरवाजों में छेद थे। अधिकांश सीटों पर गंदगी फैली हुई थी। ट्रेन के कई डिब्बों में बल्ब या बिजली कनेक्शन नहीं था।

सेना की वर्दी में दिखे 2 आतंकी

- जम्मू कश्मीर के सांबा में हाई अलर्ट, तलाशी अभियान जारी

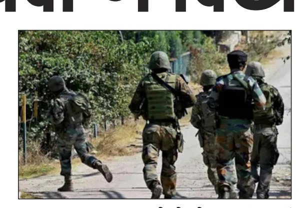

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं। इस बीच बुधवार को यहां सांबा जिले के कुछ गांववालों ने सुरक्षा बलों को दो संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधि की सूचना दी है। सूचना मिलते ही इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि सर्च ऑपरेशन जारी है, लेकिन अभी तक संदिग्ध व्यक्तियों का कोई पता नहीं चल पाया है। जानकारी के मुताबिक आतंकियों ने सेना की वर्दी पहन रखी है। अधिकारियों ने बताया कि कुछ ग्रामीणों ने कथित तौर पर रात के समय नुड गांव के आसपास के एक स्कूल के पास संदिग्ध लोगों को देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी।

अधिकारियों ने बताया कि पूरे इलाके को पुलिस और सेना के संयुक्त दलों ने घेर लिया है। बुधवार तड़के सुबह तलाशी अभियान शुरू किया गया। इससे पहले बीते सोमवार को सांबा जिले के सीमावर्ती इलाके से एक मोर्टार शेल बरामद किया था। अधिकारियों ने बताया कि उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया।

गौरतलब है कि पहलगाम हमले के बाद से भारत के सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा एजेंसियां बेहद सतर्कता बरत रही हैं। 22 अप्रैल को आतंकियों ने पहलगाम के खूबसूरत बैसरन मैदान में 26 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी थी। इसके बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकियों के गढ़ में घुसकर उनके ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाक और पाक अधिकृत कश्मीर में कई आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। इस ऑपरेशन में 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे भी गए।

दिग्विजय के भाई लक्ष्मण कांग्रेस से निष्कासित

भोपाल. पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के छोटे भाई और पूर्व सांसद लक्ष्मण सिंह को कांग्रेस पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। कांग्रेस अनुशासन समिति के सदस्य तारिक अनवर ने लक्ष्मण सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने की शिकायतों के चलते 6 साल के लिए निष्कासित किया है।

लक्ष्मण सिंह ने राहुल और राबर्ट वाड्रा पर दिया था बयान

लक्ष्मण सिंह ने 24 अप्रैल को कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, रॉबर्ट वाड्रा और जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला आतंकवादियों से मिले हुए हैं।

न्यायिक आतंकवाद से बचें : CJI गवई

- बोले- कोर्ट को नहीं लांघनी चाहिए अपनी सीमाएं

नई दिल्ली. भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) बीआर गवई ने मंगलवार को कहा कि देश में न्यायिक सक्रियता की भूमिका बनी रहेगी, लेकिन इसे इतना नहीं बढ़ाना चाहिए कि यह न्यायिक आतंकवाद का रूप ले ले। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब विधायिका और कार्यपालिका नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने में असफल रहती हैं, तब न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ता है। लेकिन इस हस्तक्षेप की सीमा और मर्यादा होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, "न्यायिक सक्रियता बनी रहेगी। लेकिन कभी-कभी जब सीमाएं लांघी जाती हैं और न्यायपालिका उन क्षेत्रों में प्रवेश करती है जहां उसे नहीं करना चाहिए, तब यह चिंता का विषय बन जाता है।"

CJI गवई ने कहा कि न्यायिक समीक्षा का उपयोग केवल विशेष परिस्थितियों में होना चाहिए। उन्होंने कहा, "यह शक्ति केवल तब प्रयोग की जानी चाहिए जब कोई कानून संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन करता हो या किसी मौलिक अधिकार के प्रतिकूल हो या जब वह पूरी तरह मनमाना व भेदभावपूर्ण हो।"

उन्होंने यह विचार ऑक्सफोर्ड यूनियन में 'From Representation to Realization: Embodying the Constitution's Promise' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में रखा। इस आयोजन का संयोजन एडवोकेट तन्वी दुबे और ऑक्सफोर्ड यूनियन ने किया था।

अपने संबोधन में न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि एक समय था जब लाखों भारतीयों को अछूत कहा जाता था, लेकिन आज उसी समुदाय से आए व्यक्ति को देश की सर्वोच्च न्यायिक जिम्मेदारी मिली है जो भारतीय संविधान की समानता की भावना का प्रत्यक्ष उदाहरण है। उन्होंने कहा, "भारतीय संविधान उन लोगों की धड़कनों को संजोए हुए है जिन्हें कभी सुना नहीं गया। यह न केवल अधिकारों की रक्षा करता है, बल्कि उन्हें सशक्त करने, सुधारने और न्याय दिलाने के लिए राज्य को बाध्य करता है।"

ब्राजील ने फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया

- पैराग्वे को 1-0 से हराया
- पॉइंट टेबल तीसरे स्थान पर पहुंची

ब्राजील ने मंगलवार को पैराग्वे को 1-0 से हराकर 2026 फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। नए कोच कार्लो एंचेलोटी के नेतृत्व में यह टीम की पहली जीत थी।

रियल मैड्रिड के स्टार विनीसियस जूनियर ने 44वें मिनट में गोल करके ब्राजील को टूर्नामेंट में जगह दिलाई। 2026 फीफा वर्ल्ड कप कनाडा, अमेरिका और मेक्सिको में आयोजित किया जाएगा।

मैथ्यूस कुन्हा के क्रॉस पर विनीसियस जूनियर ने गोल कर दिलाई बढ़त

पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील को मैनचेस्टर यूनाइटेड के नए खिलाड़ी मैथ्यूस कुन्हा के क्रॉस पर विनीसियस जूनियर ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इससे पहले मैच के 35वें मिनट में कुन्हा गोल करने से चूक गए थे। पैराग्वे को क्वालीफाई करने के लिए एक अंक की जरूरत थी, जबकि ब्राजील को आगे बढ़ने के लिए जीत चाहिए थी।

ब्राजील साउथ अमेरिकी स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर

इस जीत के साथ ब्राजील साउथ अमेरिकी स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर है, जहां उन्होंने 16 मैचों में 25 अंक जुटाए हैं। वह टॉप-6 में रहकर वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेगी।

वहीं, हार के बाद पैराग्वे 24 अंकों पर है। उन्हें 2010 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप में जगह बनाने के लिए अब सिर्फ एक अंक की जरूरत है।

शुभांशु को अंतरिक्ष ले जाने वाला मिशन चौथी बार टला

- रॉकेट में ऑक्सीजन लीक होने से पोस्टपॉन हुआ
- नई तारीख का ऐलान नहीं

बेंगलूरु. भारतीय गगनयात्री शुभांशु शुक्ला को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन यानी ISS ले जाने वाला एक्सियम-4 मिशन चौथी बार टाल दिया गया है। इसे आज 11 जून को भारतीय समय अनुसार शाम 5.30 बजे लॉन्च किया जाना था। ऑक्सीजन लीक के कारण इसे टाला गया है। एक्सियम मिशन 4 (Ax-4) में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। शुभांशु ISS पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।

बूस्टर स्टेज की परफॉर्मेंस चेक के दौरान ऑक्सीजन लीक का पता चला

इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन यानी, ISRO ने बताया कि फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट की लॉन्चिंग से पहले बूस्टर स्टेज की परफॉर्मेंस चेक की गई। इस दौरान 7 सेकेंड का हॉट टेस्ट किया गया। तभी प्रोपल्शन बे में ऑक्सीजन लीक का पता चला, जिसके बाद मिशन को स्थगित कर दिया गया।

पोरबंदर के रामदेवपीर मंदिर में 50 फीट ऊंचा मंडप गिरा

- एक श्रद्धालु की मौत, 16 घायल
- मेला ग्राउंड में हो रहे महोत्सव में हादसा

पोरबंदर. गुजरात के पोरबंदर में बुधवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां चौपाटी मेला ग्राउंड में रामदेवपीर मंडप महोत्सव में 50 फीट ऊंचा मंडप भीड़ पर गिर गया। इस हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि 16 श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों को पोरबंदर के सिविल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।

पोरबंदर के चौपाटी मेला ग्राउंड में रामदेवपीर के मंडप निर्माण का आयोजन किया गया था। इस मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु जमा हुए थे। सुबह करीब 10 बजे शुभ मुहुर्त में 50 फीट ऊंचे मंडप को सजाया जा रहा था। इसी दौरान मंडप भीड़ पर गिर गया। हादसे के बाद ग्राउंड में भगदड़ मच गई। मंडप की चपेट में आने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी मौत हो गई। हालांकि, अन्य 16 को मामुली चोटें आई हैं।

इस हादसे में वनराजभाई नवघनभाई गोरानिया नाम के बुजुर्ग की सिर में चोट लगने से मौत हो गई।

उल्हासनगर महानगरपालिका

दीनदयाळ अंत्योदय योजना राष्ट्रीय नागरी उपजीविका अभियान विभाग (DAY-NULM)

जाहीर प्रकटन

विषयः- महाराष्ट्र पथकिकेता (उपजिविका संरक्षण व पथकिकी विनियमन) नियम 2016 नुसार 6 नगर पथ विक्रेता समिती नामनिर्देशित सदस्यांचे अर्ज मागविणेबाबत

केंद्र शासन पुरस्कृत दीनदयाळ अंत्योदय योजना राष्ट्रीय नागरी उपजिविका अभियान फेरीवाल्यांना सहाय या उपांगाअंतर्गत शहरातील फेरीवाल्यांना बाजाराच्या गरजेच्या आधारावर कौशल्यांचा विकास करून त्यांच्या उपजिविकेचा दर्जा उंचावण्यावर भर दिला जाणार आहे. त्या अनुषंगाने शहरी फेरीवाल्यांचे सर्वेक्षण करणे, त्यांना ओळखपत्र देणे, शहरी फेरीवाला आराखाडा विकसित करणे, फेरीवाला क्षेत्रसाठी आवश्यक पायाभुत सुविधांचा विकास करणे, त्यांना कौशल्य विकास प्रशिक्षण देऊन त्यांचा आर्थिक विकास करण्यात येणार आहे.

वरील उपाययोजना पूर्ण करण्यासाठी तसेच राष्ट्रीय फेरीवाला धोरणची अंमलबजावणी करण्यासाठी महानगरपालिका क्षेत्रासाठी नगर पथ विक्रेता समिती घटीत करणे आवश्यक आहे. 03 ऑगस्ट 2016 रोजीचे महाराष्ट्र शासन राजपत्र व असाधारण भाग अ. प्रकरण क्र. 4 नुसार शासकीय विभाग 6 सदस्य इतर मडळाचे 14 सदस्य आहेत. इतर मंडळामध्ये अशानस्कीय संघटना आणि समुदाय आधारित संघटना 2 सदस्य निवासी कल्याण संथ 2 सदस्य, व्यापारी संघाचा प्रतिनिधी 1 सर सदस्य, पणन संघाचा प्रतिनिधी 1 सदस्य व पथविक्रेता प्रतिनिधी 8 सदस्य अशा प्रकारची रचना आहे. यापूर्वी दिनांक 22/05/2025 ते 30/05/2025 या कालावधीत 3 अर्ज प्राप्त झालेले आहेत तथापि अपेक्षित अर्ज प्राप्त न झाल्यामुळे पुनःश्व जाहिरात खालीलप्रमाणे देत आहे. तसेच इतर मंडळाचे नामनिर्देशित सदस्यांची निवड करण्यात येणार असुन ते खालीलप्रमाणे.

अ. क्र	इतर मंडळे प्रवर्ग	पद	नामनिर्देशित घेण्यात येणा-या सदस्य संख्या
1	अशासकीय संघटना आणि समुदाय आधारित संघटना	सदस्य	2
2	निवासी कल्याण संघ	सदस्य	2
3	व्यापारी संघाचा प्रतिनिधी	सदस्य	1
4	पणन संघाचा प्रतिनिधी	सदस्य	1

वरील नगर पथविक्रेता नामनिर्देशित एकूण 6 सदस्यांची खालील अटी-शर्तीच्या अधिन राहून निवड करण्यात येणार आहे.
1. संघटना किंवा संघ, मागील तीन वर्षांचे सक्षम प्राधिकरणाकडे नोंदणी केलेली असावी.
2. संघटना किंवा संघ, मागील तीन वर्षांचे सक्षम प्राधिकरणाकडे तयार करण्यात आलेले लेखा परीक्षा अहवाल सादर करील
3. संघटना किंवा संघास स्थानिक प्राधिकरणाने काळ्या यादीत टाकलेले नसावे.
4. संघटना किंवा संघ त्या त्या वेळी अंमलात कोणत्याही कायद्यान्वये सिष्ट्रदोषी असणार नाहीत.
5. संघटना किंवा संघ यांना त्यांनी सक्षम प्राधिकरणाकडे नोंदणी केल्याच्या त्यांच्या प्रवर्गामधील कामाचा किमान पाच वर्षाचा अनुभव असावा.

तरी वरील अटी-शर्ती घालून देण्यात आलेल्या निकषाच्या आधारावर अशासकीय संघटना किंवा समुदाय आधारित संघटना किंवा निवासी कल्याण संघाचे प्रतिनिधित्व करण्या-या सदस्याचे नामनिर्देशित करण्यात येणार आहे. त्यासाठी उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रातील नगर पथ विक्रेता समितीच्या 6 नामनिर्देशित सदस्यांचे दि. 12/06/2025 ते 18/06/2025 या कालावधीत संपूर्ण कागदपत्रासह अर्ज मागविण्यात येत आहे. सदर नामनिर्देशित अर्ज DAY-NULM विभाग तळ मजला मुख्य कार्यालय उल्हासनगर महानरगरपालिका येथे जमा करावे.

जा.क्र. उमपा/पीआरओ/142/2024
दिनांक. 11/06/2024

सही/-
उपायुक्त
उल्हासनगर महानगरपालिका

संक्षेप...

भारतीय नौसेना का साहसी बचाव अभियान

मुंबई. भारतीय नौसेना ने तटरक्षक बल, डीजी शिपिंग और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर एक समन्वित खोज एवं बचाव अभियान में सिंगापुर के ध्वज वाले मालवाहक जहाज से 22 में से 18 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है। जहाज पर आंतरिक कंटेनर विस्फोट के कारण भीषण आग लग गई थी। सूचना आईएफसी-आईओआर को सुबह 09:30 बजे प्राप्त हुई थी। इसके तुरंत बाद भारतीय नौसेना ने युद्धपोत INS Surat और एक डोर्नियर विमान को राहत कार्य के लिए तैनात किया।

अजित बोले-हम संत नहीं कि विपक्ष में रहकर नारेबाजी करें, विकास के लिए NDA से जुड़े

■ **सुप्रिया बोलीं- पार्टी विलय की चर्चा टेबल पर होनी चाहिए**

पुणे. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के 26वें स्थापना दिवस के मौके पर डिप्टी सीएम अजित पवार ने भाजपा से गठबंधन के सवालों पर जवाब दिया। उन्होंने कहा- हम संत नहीं हैं। विपक्ष में बैठकर सिर्फ नारेबाजी और मार्च निकालना काफी नहीं होता है।

उन्होंने आगे कहा- हमें लोगों की समस्याओं का समाधान करने और समावेशी राजनीति करने के लिए हैं। कुछ लोग NDA गठबंधन के साथ हाथ मिलाने के हमारे फैसले पर सवाल उठा रहे हैं। जब 2019 में हमने शिवसेना से गठबंधन किया था, तब भी समझौते किए गए थे।

दूसरी ओर NCP शरद पवार गुट के कार्यक्रम में सांसद सुप्रिया सुले ने कहा- अजित पवार और मैं हमेशा एक परिवार की तरह साथ रहते हैं। पार्टी विलय के बारे में निर्णय कैमरे पर नहीं, बल्कि टेबल पर बैठकर चर्चा में लिया जाने चाहिए।

अजित बोले: लोकसभा चुनाव परिणाम पर चिंतन जरूरी

अजित पवार ने कहा कि लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन मनमाफिक नहीं रहा। अब चिंतन और सुधार की जरूरत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे स्थानीय निकाय चुनावों के लिए तैयार रहें। साथ ही बताया कि आने वाले डेढ़ महीने में राज्यभर में रैलियां शुरू की जाएंगी।

सुप्रिया बोलीं: अच्छे-बुरे दिन राजनीति का हिस्सा

सुप्रिया सुले ने संबोधन के दौरान स्पष्ट किया कि उनके गुट ने किसी विशेष विधानसभा सत्र की मांग नहीं की है, जैसा कि कुछ रिपोर्टों में कहा गया था। उन्होंने कहा- NCP ने हमेशा महाराष्ट्र और देश के आम लोगों के साथ खड़े रहने की राजनीति की है। बुरे और अच्छे दिन राजनीति का हिस्सा हैं।

शरद बोले- कभी नहीं सोचा था NCP टूटेगी

■ **जयंत पाटिल ने पद छोड़ने के संकेत दिए, कहा- नए चेहरों को मौका मिले**

पुणे. शरद गुट की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP-SP) मंगलवार को अपना 26वां स्थापना दिवस मना रही है। इस मौके पर पुणे में बालगंधर्व ऑडिटोरियम में आयोजित पार्टी के कार्यक्रम में NCP चीफ शरद पवार ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि NCP में दरार आएगी।

शरद ने कहा, '26 सालों के दौरान पार्टी को कुछ चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा, लेकिन आप (नेता-कार्यकर्ता) बिना हौसला गंवाए पार्टी को आगे बढ़ाते रहे। हमने कभी नहीं सोचा था कि पार्टी टूट जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ।

NCP चीफ ने कहा, 'कुछ लोग दूसरी विचारधाराओं के साथ चले गए, लेकिन जो लोग पार्टी के प्रति वफादार रहे, वह हमारी पार्टी की विचारधारा के कारण ही साथ रहे। पार्टी टूटने की चिंता मत कीजिए, जो बीत गया उसकी चिंता नहीं करनी है। अगर हम एकजुट रहेंगे और लोगों के प्रति अपना समर्पण बनाए रखेंगे, तो कोई दिक्कत नहीं होगी।'

दूसरी तरफ, पुणे में उसी कार्यक्रम में NCP-SP के महाराष्ट्र अध्यक्ष जयंत पाटिल ने पद छोड़ने के संकेत दिए। उन्होंने शरद पवार के सामने अपने संबोधन में कहा- पवार साहब ने मुझे बहुत मौके दिए। मुझे सात साल के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई, लेकिन अब नए चेहरों को मौका देना जरूरी है।

सूरज तोडकर को MBA की डिग्री मिली

उल्हासनगर. उल्हासनगर क्रमांक 04 में रहने वाले छात्र सूरज तोडकर की एमबीए की डिग्री मिलने पर हर जगह तारीफ हो रही है।

लालचक्की उल्हासनगर क्रमांक 04 में एक बिल्डिंग में सूरज तोडकर अपने परिवार के साथ रहते हैं। वे वेलिंगकर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट एंड रिसर्च, मंटुगा ईस्ट, मुंबई में पढ़ाई कर रहे हैं। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में 87% अंकों के साथ पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा (एमबीए) की डिग्री हासिल करने पर उनकी हर स्तर पर तारीफ हो रही है।

सूरज तोडकर की इस बेमिसाल सफलता के अवसर पर स्नेहाजलि कराओके स्टूडियो की ओर से उन्हें शॉल और गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आनंद बनसोडे, सुनीता तोडकर, अरुणा तोडकर और अन्य गायक मुख्य रूप से मौजूद थे।

सड़क चौड़ीकरण के बाद अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई की मांग

■ **प्रभाग अधिकारी के आदेश के बावजूद कार्रवाई में देरी**

भिवंडी. सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित एक व्यवसायी ने शिकायत की है कि उसी सड़क पर अतिक्रमण कर निर्माण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने के बावजूद भिवंडी मनपा प्रशासन कार्रवाई न करते हुए मूकदर्शक बना हुआ है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के बांगड़ गली झेंडा नाका क्षेत्र में कांक्रीटीकरण के लिए सड़क चौड़ी की गई थी. इसमें मकान क्रमांक 1 में किशोर रामचंद्र झावेरी, सुनीता प्रदीप झावेरी और राहुल किशोर झावेरी की व्यावसायिक संपत्ति प्रभावित हुई थी. इसमें मात्र सवा फीट जगह बची थी.

शिकायतकर्ता के अनुसार कुछ पड़ोसी संपत्ति स्वामियों ने अपनी अतिक्रमित भूमि को गिराने के बजाय अतिक्रमित भूमि का उपयोग कर भूमि पर अतिक्रमण कर लिया है.सड़क चौड़ी करते समय महानगरपालिका ने कुछ स्थानों पर कम तो कुछ अधिक माप लेकर अन्याय किया है.

किशोर झवेरी के इस संबंध में 11 फरवरी को शिकायत करने के बाद महानगरपालिका प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने पर चिंता व्यक्त की है तथा न्याय की मांग की है. स्थानीय वार्ड समिति क्रमांक 5 के प्रभारी सहायक आयुक्त बालाराम जाधव ने बताया है कि जब उक्त भूमि का निरीक्षण किया गया तो पाया गया कि वहां अतिक्रमण था तथा संबंधित व्यक्तियों को 7 दिनों के भीतर स्वयं के खर्च पर अतिक्रमित भूमि को हटाने के आदेश जारी किए गए हैं.शिकायतकर्ता के किशोर जावेरी के अनुसार इस आदेश को जारी करके भी एक महीने का समय लग गया फिर भी मनपा प्रशासन अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं कर रहा है.

बिल्डर के सेल्स ऑफिस में लगी आग

पनवेल. पनवेल स्थित पलस्पे फाटा में एसी में शॉर्ट सर्किट से बिल्डर के सेल्स ऑफिस में आग लगने की घटना हुई. यह सेल्स ऑफिस साई वर्ल्ड सिटी बिल्डिंग के परिसर में बनाया गया था. बताया जाता है कि बुधवार की सुबह में करीब साढ़े 9 बजे के दौरान सेल्स ऑफिस में लगे एसी के पास शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसकी वजह से ऑफिस में आग लग गई.

ऐरोली में अवैध चायनीज़ गाड़ी में लगी आग

■ **कोई जनहानि नहीं, लेकिन अवैध धंधे सवालों के घेरे में**

नवी मुंबई. ऐरोली रेलवे स्टेशन के पूर्व दिशा में स्थित ठाणे-बेलापुर मार्ग पर मंगलवार रात करीब 8:30 बजे एक चायनीज़ फूड वैन में अचानक आग लग गई। मौके पर तुरंत फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस और ट्रैफिक पुलिस पहुंची और आग पर काबू पा लिया गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन यह घटना अवैध फूड वैन के बढ़ते खतरे की ओर इशारा करती है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिस फूड वैन में आग लगी, वह अवैध रूप से सड़क किनारे चायनीज़ खाद्य पदार्थ बेच रही थी। ऐरोली और आसपास के इलाकों में इस तरह की 100 से अधिक अवैध फूड वैन खुलेआम संचालित हो रही हैं। न तो इनके पास वैध लाइसेंस हैं, न अग्निशमन विभाग की एनओसी, न खाद्य सुरक्षा की मंजूरी – और न ही किसी तरह का टैक्स भुगतान किया जाता है। बस एक पुराना टेम्पो सजाकर, उसे सड़क पर खड़ा कर, राजनीतिक संरक्षण के बल पर कारोबार शुरू कर दिया जाता है।

शराब, हंगामा और ट्रैफिक जाम – सड़कें बनीं अराजकता का अड्डा

ऐरोली स्टेशन के पूर्वी परिसर में हर शाम वड़ा-पाव, डोसा, चाय, छोले-भटूरे, अंडा भुर्जी जैसे खाद्य पदार्थों की अवैध बिक्री होती है। यहाँ कई बार शराब पीकर मारपीट, गाली-गलौज और ट्रैफिक जाम जैसी घटनाएं सामने आती हैं। इस आग की घटना में भले ही जान का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन सिलेंडर फटने जैसी स्थिति में बड़ा हादसा हो सकता था।

प्रशासन की निष्क्रियता से बढ़ रहा खतरा

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन अवैध धंधों के बारे में मनपा प्रशासन, अग्निशमन विभाग, ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय नगरसेवकों को कई बार सूचित किया गया है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यदि समय रहते कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में किसी बड़ी जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

SST महाविद्यालय में शिवराज्याभिषेक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

उल्हासनगर. एसएसटी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई और ग्रीन क्लब की ओर से, जीवन फाउंडेशन के सहयोग से शिवराज्याभिषेक दिवस बड़े उत्साह और श्रद्धेपूर्वक मनाया गया।

यह कार्यक्रम संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपप्राचार्य व एनएसएस जिला समन्वयक प्रो. जीवन विचारे, ग्रीन क्लब समन्वयक प्रो. नम्रता सिंह, तथा महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत छत्रपती शिवाजी महाराज की मूर्ति का अभिषेक कर के की गई। इसके पश्चात महाराज की प्रतिमा का पूजन एवं माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने छत्रपती शिवाजी महाराज के कार्यों की सराहना करते हुए देशभक्ति के नारे लगाए और अपने विचार व्यक्त किए। इस उपक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, इतिहास की समझ, नेतृत्व क्षमता तथा सांस्कृतिक जागरूकता में वृद्धि हुई है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी अनुभव सिद्ध हुआ।

पनवेल में 35 बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई

नवी मुंबई. हाल ही में चलाए गए विशेष अभियान के तहत पनवेल ग्रामीण और शहर पुलिस ने कुल 35 बांग्लादेशी नागरिकों पर कार्रवाई की है। इनमें पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

पनवेल तालुका पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि खेरने क्षेत्र में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी नागरिक छिपे हुए हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए 23 लोगों को हिरासत में लिया। इनमें 11 पुरुष और 12 महिलाएं शामिल हैं।

उधर, पनवेल शहर पुलिस को सूचना मिली कि तक्का कातकरवाड़ी इलाके में भी बांग्लादेशी नागरिक रह रहे हैं। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने वहाँ से 12 घुसपैठियों को पकड़ा, जिनमें 4 पुरुष, 3 महिलाएं और 5 बच्चे शामिल हैं।पुलिस सूत्रों के अनुसार, चिखले गांव में एक बांग्लादेशी नागरिक दामाद बनकर वर्षों से रह रहा है। पाँच-छह साल पहले उस पर कार्रवाई भी हो चुकी है, बावजूद इसके वह अब तक उसी स्थान पर रह रहा है। यह मामला पनवेल क्षेत्र में घुसपैठियों की जड़ें गहराई तक जमने की ओर संकेत करता है।

खारघर में पाकिस्तानी दंपति की दर्दनाक मौत

नवी मुंबई. नवी मुंबई के खारघर इलाके में सोमवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहाँ पाकिस्तान से भारत आए एक दंपति में विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने पहले पत्नी की हत्या कर दी और बाद में खुद आत्महत्या कर ली। यह वारदात खारघर सेक्टर 34 की डॉल्फिन प्राइड सोसायटी में हुई।

परिमंडल 2 के पुलिस उपायुक्त प्रशांत मोहिते ने बताया कि मृतक दंपति की पहचान 35 वर्षीय सपना नोतनदास और 45 वर्षीय नोतनदास उर्फ संजय सचदेव के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से पाकिस्तान के निवासी थे और नवंबर 2024 में शॉर्ट टर्म वीज़ा पर भारत आए थे। घटना के समय दोनों बच्चे स्कूल और ट्यूशन में गए हुए थे। सुबह करीब 10:30 बजे जब एक बच्चा घर लौटा तो दरवाज़ा बंद था। कई बार दरवाज़ा खटखटाने के बाद भी जब किसी ने नहीं खोला, तो उसने अपनी मौसी (मृतका की बहन) को सूचना दी। मृतका की बहन अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ मौके पर पहुँची। अंदर झाँककर देखा गया तो पति-पत्नी दोनों खून से लथपथ हालत में मृत पाए गए। तुरंत पुलिस को सूचित किया गया।

जाहीर नोटीस

याव्दारे खालील कर्जदार व जामीनदार यांना कळविण्यात येते की, कर्जदार यांनी शिव-कला अर्बन को.ऑप. क्रेडीट सोसायटी लि. पत्ता बि 3, गणपती प्लाझा, यु. एम.सी. रोड, चोपडा कोर्ट, उल्हासनगर-421003, जिल्हा ठाणे येथून सोने तारणावर कर्ज घेतले होते. घेतलेल्या कर्ज रक्कमेची मुदतीत भरणा न केल्याने / करीत नसल्याने त्यांना जाहीर नोटीस देण्यात येते की, ही नोटीस प्रसिध्द झाल्याच्या 07 दिवसांत कर्जाचा भरणा करून दागिने सोडवून न्यावेत. अन्यथा दिनांक 19/06/2025 रोजी सकाळी 11.30 वाजता वर नमुद पत्यावर त्यांनी गहाण ठेवलेल्य दागिन्याची जाहीर लिलावाने / बाजारभावाने (मोडीच्या भावात) विकी करून कर्ज वसुल करण्यात येईल. तसेच यासाठी होणार खर्चाची त्यांचे कडूनच वसुल केला जाईल याची नोदं घ्यावी.

लिलावाची दिनांक व वेळ बदलण्याचा अधिकार संस्था राखून ठेवीत आहे.

कर्ज खाते क.	कर्जदाराचे नांव	कर्ज दिनांक	कर्ज रक्कम	एकुण येणे
Bl/1819/5731	नविन ईश्वरलाल सेजवानी (कर्जदार)	03/08/2018	2,70,000/-	1,42,708/-
BU/1819/6318	मनोज ईश्वरलाल सेजवानी (जामीनदार)	21/01/2019	2,50,000/-	4,17,850/-
BU/1819/6460	इस्सर गंगाराम सेजवानी (जामीनदार)	05/03/2019	1,30,000/-	2,38,606/-

रक्कम रू. ७,९९,१६४/- (अक्षरी सात लाख नव्यान्नव हजार एकशे चौसष्ट)

ठिकाण: उल्हासनगर
दिनांक: 11/06/2025

शिक्का

सही/-
सेक्रेटरी
शिव-कला अर्बन को. ऑप. क्रेडीट सोसा लि.

कैटरीना कैफ बनीं मालदीव की ग्लोबल टूरिज्म एम्बेसडर

■ **भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने की कोशिश**

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ अब मालदीव की ग्लोबल टूरिज्म एम्बेसडर बन गई हैं। मंगलवार को सोशल मीडिया पर यह घोषणा की गई। विजिट मालदीव ने इस खबर को शेयर करते हुए कहा कि वे कैटरीना कैफ को अपने ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर के रूप में पाकर बेहद खुश हैं। गौरतलब है कि कैटरीना भारत में ब्रांड एंडोर्समेंट की दुनिया का बड़ा चेहरा हैं।

कैटरीना ने इस मौके पर कहा, 'मालदीव लग्जरी और नेचुरल ब्यूटी का शिखर है, ऐसी जगह जहां सादगी और शांति एक साथ मिलती है। 'सनी साइड ऑफ लाइफ' का फेस बनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। इस कोलेबोरेशन के जरिए मैं दुनियाभर के लोगों को मालदीव की खासियत और बेहतरीन यात्रा अनुभव से परिचित कराने के लिए उत्साहित हूं।'

यह कोलेबोरेशन ऐसे वक्त में हुआ है जब भारत और मालदीव के रिश्तों में पिछले साल जनवरी के बाद से कुछ कड़वाहट देखी गई थी। विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल कैंपेन लॉन्च किया है ताकि दुनियाभर से ज्यादा से ज्यादा सैलानी मालदीव की खूबसूरती, समृद्ध समुद्री जीवन और लग्जरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव की यात्रा पर जा सकते हैं।

BMC ने 227 इंजीनियरों की तैनाती की

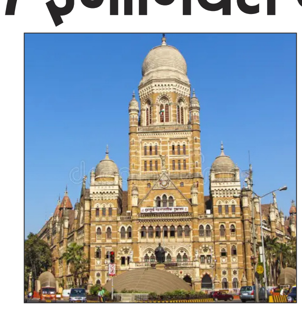

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने मुंबई के 227 चुनावी वार्डों में से प्रत्येक में माध्यमिक इंजीनियरों को नियुक्त किया है, उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में गड्ढों की सक्रिय रूप से खोज करने और उन्हें तुरंत भरने की जिम्मेदारी दी है. प्रत्येक इंजीनियर को मानसून की अवधि के लिए लगभग 10 किमी से 15 किमी की दूरी वाली सड़कों वाला एक विशिष्ट क्षेत्र सौंपा गया है.

नगर आयुक्त और प्रशासक भूषण गगरानी ने सोमवार को सड़क और परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक की और उन्हें गड्ढों के समय पर निवारण के लिए निर्देशों की एक सूची दी. निर्देशों के बीच, गगरानी ने सड़क विभाग को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि गड्ढे तब भरे जाएँ जब वे आकार में छोटे हों, जिनका आकार 6 से 12 इंच से अधिक न हो. सड़क की सतह की असमानता से बचने के लिए सभी गड्ढों को चौकोर आकार में भरा जाना चाहिए.

सड़कों पर छह मीटर से अधिक गहराई पर पाए जाने वाले गड्ढों को भरने के लिए कोल्ड मिक्स का उपयोग नहीं किया जाएगा. गड्ढों को मैस्टिक डामर या जियो पॉलीमर कंक्रीट से भरा जाएगा. बीएमसी ने एक बयान में कहा, ₹सप्ताह भर गड्ढों की मरम्मत का काम किया जाएगा, लेकिन सप्ताहांत में भी काम जोरों पर किया जाएगा, ताकि सप्ताह के दिनों में यातायात बाधित न हो. बीएमसी मैस्टिक कुकर की तैनाती के लिए एक रूट प्लान भी बनाएगी, जिसमें जीपीएस लगा होगा और वाहन ट्रैकिंग सिस्टम (वीटीएस) के जरिए इसकी गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी.₹

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099